PRINT

हिन्दुस्तान

National News Paper	Edition: Jharkhand	Circulation: 61883
Date: 21.07.2026	Page No 05	Serial No.:

कड़ी निगरानी अवैध खनन व कोयला परिवहन के खिलाफ सीआईएसएफ ने की कार्रवाई, 11 टन कोयला जब्त

ड्रोन निगरानी से अवैध खनन पर शिकंजा

- निरीक्षण के समय मौके पर कोई वाहन नहीं मिला, लेकिन भारी वाहनों के टायरों के ताजा निशान पाए गए

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। कोयला क्षेत्रों में अवैध खनन एवं कोयला परिवहन के खिलाफ सीआईएसएफ का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिपरवार क्षेत्र से 11.580 टन कोयला बरामद किया। बरामद कोयले को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर एक्ट) के तहत सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार प्रातः सीआईएसएफ की 'डी' कंपनी नियमित क्षेत्र निरीक्षण पर थी। इसी दौरान पिपरवार चेक पोस्ट से हॉपर जाने वाले मार्ग के समीप बड़ी मात्रा में लावारिस कोयला पड़ा मिला। यह स्थान अशोक परियोजना से राजधर रेलवे साइडिंग एवं सीएचपी जाने वाले परिवहन मार्ग के निकट स्थित है, जहां रात्रि के समय कभी-कभी कोयला परिवहन में लगे वाहनों का ठहराव होता है। निरीक्षण के समय मौके पर कोई वाहन नहीं मिला, लेकिन भारी वाहनों के टायरों के ताजा निशान पाए गए। इसके बाद सीआईएसएफ ने तत्काल कोल रेड अभियान चलाकर पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेते हुए वहां पड़े कोयले को जब्त कर लिया। बरामद कोयले का विधिवत वजन कराने पर उसका शुद्ध वजन 11.580 टन पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत 11,174.70 रुपये आंकी गई है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद जब्त कोयले को एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों के तहत सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया। यह कार्रवाई उप समादेष्टा (डिप्टी कमांडेंट) दिनेश कुमार एवं सहायक समादेष्टा (असिस्टेंट कमांडेंट) हर्ष लवानिया के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान में निरीक्षक एल.एस. मिंज, उप निरीक्षक अनिल कुमार राय, सहायक उप निरीक्षक किशन दास तथा 'डी' कंपनी के अन्य सीआईएसएफ जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार के समादेष्टा अमित कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम के तहत सीआईएसएफ को दिए गए अधिकारों के बाद अवैध खनन एवं कोयला परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई और अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने बताया कि पूरे कोलफील्ड क्षेत्र की निगरानी आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर सीआईएसएफ की पैनी नजर है तथा अवैध खनन और कोयला चोरी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।